ABSTRACT

नगरीय महिलाओं में जनसंचार माध्यमों का प्रभाव

डॉ.महेश शुक्ला
प्राध्यापक समाजशास्त्र
शास.टी.आर.एस. महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.)
एवं
क्षमा दुबे
शोध छात्रा
शास.टी.आर.एस. महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.)

सारांश

आज की दुनिया जनसंचार माध्यमों की दुनिया है। आज जनसंचार माध्यम के नई तकनीक के मानव जीवन के विविध पक्षों को प्रभावित किया है। पहले जहाँ जनसंचार माध्यम के सीमित साधन थे वहीं वर्तमान समाज में जनसंचार के वैविधतामूलक साधनों का निर्माण हुआ है। आज का समाज विकसित समाज के रूप में जाना जाता है। जनसंचार के साधनों ने जहाँ समाज को आधुनिक संस्कृति की ओर धकेला वहीं जनसंचार माध्यमों के प्रभाव समाज को उत्तर आधुनिकता की ओर विकसित किया है। वास्तव में उत्तर आधुनिकता समाज का आधुनिकतम रूप है। इसकी विचारधारा वह जो आधुनिकता के साथ जुड़े हुये सम्पूर्ण सामाजिक स्वरूपों को ध्वस्त करती है।

प्रस्तुत अध्ययन रीवा नगर की महिलाओं पर केन्द्रित है। इस अध्ययन में यह जानने का प्रयास किया गया है कि नगरीय महिलाओं पर संचार के साधनों का कितना प्रभाव पड़ रहा है।

मुख्य शब्द- *जन संचार के साधन,उत्तर आधुनिक समाज,महिलायें एवं जन-माध्यम।*

समाज वैज्ञानिकी अक्टूबर-मार्च 2020-21
अंक-33-34, ISSN 0973-4201
भारतीय समाज विज्ञान परिषद्